

## अनुक्रमणिका

अ. क्र.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
	संस्तुति	एक
	प्रमाणपत्र	दो
	प्रख्यापन	तीन
	प्राक्कथन	चार
	ऋणनिर्देश	सात
	अनुक्रमणिका	नौ
	<b>प्रथम अध्याय : 'सुदर्शन भाटिया का व्यक्तित्व एवं कृतित्व'</b>	<b>1 - 18</b>
1.1	व्यक्तित्व -	
1.1.1	जन्म	
1.1.2	माता-पिता, बचपन, परिवार	
1.1.3	शिक्षा	
1.1.4	विवाह	
1.1.5	नौकरी	
1.2	कृतित्व -	
1.2.1	कहानी	
1.2.2	उपन्यास	
1.2.2.1	सामाजिक उपन्यास	
1.2.2.2	ऐतिहासिक उपन्यास	
1.2.2.3	व्यंग्यात्मक उपन्यास	
1.2.3	लघुकथा	
1.2.4	जीवनी	
1.2.5	अन्य साहित्य	
1.2.5.1	आधुनिक साहसिक व्यक्तित्व	

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY  
K. J. Somaiya UNIVERSITY, KOLHAPUR.

अ. क्र. अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
<p>1.2.5.2 इतिहास धर्म एवं संस्कृति</p> <p>1.2.5.3 पर्यावरण</p> <p>1.2.5.4 प्राकृतिक चिकित्सा / स्वास्थ्य</p> <p>1.2.5.5 संस्कृति उत्थान से जुड़ी पुस्तकें</p> <p>1.2.5.6 देशभक्ति/राष्ट्रनिष्ठा/राष्ट्र गौरव</p> <p>1.2.5.7 व्यावहारिक विज्ञान / जीवनउपयोगी</p> <p>1.2.5.8 राजनीति : रिपोर्टिंग</p> <p>1.2.5.9 शिशुपालन / स्त्री शिक्षा</p> <p>1.2.5.10 विज्ञान, ज्ञान, विविध जानकारीयाँ</p> <p>1.2.5.11 सच्ची प्रेरक घटनाओं पर आधारित</p> <p>1.2.5.12 बागवानी</p> <p>1.2.5.13 नारी सौंदर्य</p> <p>1.2.5.14 योग शिक्षा</p> <p>1.2.6 सम्मान एवं पुरस्कार</p> <p>निष्कर्ष</p>	
<p><b>द्वितीय अध्याय : 'आलोच्य उपन्यासों का कथानक'</b></p> <p>प्रस्तावना -</p> <p>2.1 कथावस्तु का स्वरूप</p> <p>2.1.1 कथानक के प्रस्तुतीकरण की शैलियाँ</p> <p>2.1.2 कथानक की विशेषताएँ</p> <p>2.2 आलोच्य उपन्यासों की कथावस्तु</p> <p>2.2.1 'कल्लो' उपन्यास की कथावस्तु</p> <p>2.2.2 'सुलगती बर्फ' उपन्यास की कथावस्तु</p> <p>2.3 आलोच्य उपन्यासों की कथावस्तु की समीक्षा</p>	<p>19 - 35</p>

अ. क्र. अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
2.3.1 'कल्लो' उपन्यास की कथावस्तु की समीक्षा 2.3.2 'सुलगती बर्फ' उपन्यास की कथावस्तु की समीक्षा निष्कर्ष ।	
<b>तृतीय अध्याय : 'आलोच्य उपन्यासों में चित्रित पात्र-परियोजन का अनुशीलन'</b>  3.1 पात्र एवं चरित्र-चित्रण का महत्त्व 3.1.1 चरित्र-चित्रण का महत्त्व 3.1.1.1 बहिरंग प्रणाली 3.1.1.2 अंतरंग प्रणाली 3.2 चरित्र-चित्रण के भेद 3.2.1 नायक, नायिका और सहायक पात्र 3.2.2 सद्पात्र एवं खलपात्र 3.2.3 प्रतिनिधि पात्र विशिष्ट पात्र 3.2.4 स्थिर पात्र - गतिशील पात्र 3.3 'कल्लो' उपन्यास में चित्रित पात्र परियोजना का अनुशीलन 3.3.1 प्रमुख पात्र एवं चरित्र-चित्रण 3.3.1.1 युवक (परदेसी) 3.3.1.1.1 उपन्यास का नायक 3.3.1.1.2 समाजसेवक 3.3.1.1.3 व्यवहारकुशल 3.3.1.1.4 अत्याचार का विरोधी 3.3.1.1.5 विधवा की सहायता 3.3.1.2 कल्लो (कली)	37 - 61

अ. क्र.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
3.3.1.2.1	उपन्यास की नायिका	
3.3.1.2.2	प्रेमिका के रूप में	
3.3.1.2.3	स्पष्टवादी	
3.3.1.2.4	शरारती कल्लो	
3.3.1.2.5	भावुकता	
3.3.1.2.6	देहाती संस्कार	
3.3.2	गौण पात्र	
3.3.2.1	कैलाश	
3.3.2.2	नम्बरदार चौधरी	
3.3.2.3	शीला	
3.3.2.4	सत्या	
3.3.2.5	राजेश	
3.4	'सुलगती बर्फ' उपन्यास में चित्रित पात्र-परियोजना का अनुशीलन	
3.4.1	प्रमुख पात्र	
3.4.1	गिरीश	
3.4.1.1	उपन्यास का नायक	
3.4.1.2	अभिनेता गिरीश	
3.4.1.3	कवि गिरीश	
3.4.1.4	प्रेमी के रूप में	
3.4.1.5	गरीबों के प्रति आस्था रखनेवाला	
3.4.1.6	दहेज का विरोधी	
3.4.1.7	आदर्श बेटा	
3.4.1.2	पुष्पा	

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY  
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

अ. क्र.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
	3.4.1.2.1 उपन्यास की नायिका 3.4.1.2.2 प्रेमिका के रूप में 3.4.1.2.3 स्पष्टवादी 3.4.1.2.4 जिज्ञासू 3.4.1.2.5 वियोगी पुष्पा 3.4.2 गौण पात्र 3.4.2.1 लाला माणिकचंद्र 3.4.2.2 सुमन 3.4.2.3 सतीश 3.4.2.4 अटलजी 3.4.2.5 धन्ना निष्कर्ष ।	
	<b>चतुर्थ अध्याय : 'संवाद या कथोपकथन'</b> 4.1 'कल्लो' और 'सुलगती बर्फ' उपन्यास के संवाद या कथोपकथन 4.1.1 स्वगत संवादन 4.1.2 प्रकट संवाद 4.1.3 लंबे संवाद 4.1.4 छोटे संवाद निष्कर्ष ।	63 - 73
	<b>पंचम अध्याय : 'आलोच्य उपन्यासों में चित्रित            देशकाल-वातावरण'</b> प्रस्तावना 5.1 'कल्लो' उपन्यास में चित्रित परिवेश 5.2 सुलगती बर्फ' उपन्यास में चित्रित परिवेश निष्कर्ष	75 - 79

अ. क्र.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
	<b>षष्ठ अध्याय : 'आलोच्य उपन्यासों की भाषाशैली'</b>	<b>91-100</b>
	प्रस्तावना	
	6.1 भाषा	
	6.1.1 भाषा का स्वरूप एवं परिभाषा	
	6.1.2 शब्दों के विविध रूप	
	6.1.2.1 तत्सम शब्द	
	6.1.2.2 तद्भव शब्द	
	6.1.2.3 अंग्रेजी शब्द	
	6.1.2.4 अरबी शब्द	
	6.1.2.5 फारसी शब्द	
	6.1.2.6 शब्द पुनरुक्तियाँ	
	6.1.2.7 संयुक्त शब्द	
	6.1.2.8 मुहावरे	
	6.1.3 आलोच्य उपन्यासों में चित्रित भाषा की विशेषताएँ	
	6.2 शैली	
	6.2.1 शैली का स्वरूप	
	6.2.2 शैली की परिभाषा	
	6.2.3 शैली के भेद	
	6.2.4 आलोच्य उपन्यासों में चित्रित शैली	
	6.2.4.1 वर्णनात्मक शैली	
	6.2.4.2 प्रतीकात्मक शैली	
	6.2.4.3 प्रश्नोत्तर शैली	
	6.2.4.4 संवाद शैली	
	निष्कर्ष	

अ. क्र.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
	सप्तम अध्याय : 'आलोच्य उपन्यासों का उद्देश्य'	101-104
7.1	'कल्लो' उपन्यास का उद्देश्य	
7.2	'सुलगती बर्फ' उपन्यास का उद्देश्य	
7.3	उपन्यास साहित्य के विकास में सुदर्शन भाटिया का योगदान	
	निष्कर्ष ।	
	उपसंहार ।	105-110
	संदर्भ ग्रंथ सूची।	111-113
	परिशिष्ट -	
	सुदर्शन भाटिया के हस्ताक्षर पत्र	115, 117



सुदर्शन भाटिया

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY  
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.